डाउनलोड मुद्रण

अ+ अ-

कहानी

अल्बर्ट

सूरज प्रकाश

मुझे तुम पर शर्म आ रही है अल्बर्ट। तुम इस लायक भी नहीं रह गए हो माय सन कि तुम्हें बेटा कहूँ। पता नहीं यह पत्र पढ़ने के लिए तुम घर पर लौट कर आओगे भी या नहीं। मुझे पता होता कि यहाँ आने पर मुझे इस तरह से परेशान होना पड़ेगा तो मैं आता ही नहीं। चार दिन से बंबई आया हुआ हूँ और तुम्हारा बंद दरवाजा ही देख रहा हूँ। सुबह शाम तुम्हारे घर के चक्कर काट काट कर थक गया हूँ। तुम्हारा पड़ोसी बता रहा था कि यह पहला मौका नहीं है कि तुम चार पाँच दिन से घर नहीं लौटे हो। पहले भी कई बार ऐसा होता रहा है कि तुम कई कई दिन घर नहीं लौटते या घर पर होते हो तो दरवाजा नहीं खोलते। कहाँ रहते हो, क्या करते हो, किसी को कोई खबर नहीं। तुम्हारे ऑफिस के भी चक्कर काटता रहा हूँ। वहाँ तुम पंद्रह दिन से नहीं गए हो। दरअसल तुम्हारे ऑफिस ने जब तुम्हारी खोज खबर लेने के लिए ये वाली रजिस्ट्री हमारे पास गोवा भेजी तो ही हमें पता चला कि तुम फिर अपनी पुरानी हरकतों पर उतर आए हो तो मुझे खुद आना पड़ा। अब मैं तुम्हें कैसे बताऊँ कि मुझे यहाँ आने के लिए कितनी मुश्किलों से पैसों का जुगाड़ करना पड़ा है।

अल्बर्ट, क्यों तुम इस तरह से अपने आप से नाराज हो और खुद को शराब में खत्म कर रहे हो। कितने बरस हो गए तुम्हें इस तरह से एक बेतरतीब, बेकार और अर्थहीन जिंदगी जीते हुए। तुम महीना महीना ऑफिस नहीं जाते। जाते भी हो तो पिए रहते हो। तुम्हारे ऑफिस वाले बता रहे थे कि तुम काम में एक्सपर्ट होने के बावजूद काम नहीं कर पाते क्योंकि न तो तुममें काम में ध्यान देने की ताकत रह गई है और न ही तुम्हारा शरीर ही इस बात की इजाजत देता है। तुम्हारे ऑफिस वाले इन सबके बावजूद तुम्हें नौकरी से नहीं निकालते। तरह तरह से काउंसलिंग करके, जुर्माने लगा कर और वार्निंग दे कर तुम्हें सही राह पर लाने की कोशिश करते रहते हैं। सिर्फ इसलिए कि तुम फुटबॉल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हो। काम में बहुत माहिर माने जाते रहे हो और फिर तुम्हें ये नौकरी खिलाड़ी होने की वजह से ही तो मिली थी। उन्हें विश्वास है कि तुम जरूर यीशू मसीह की शरण में लौट आओगे और फिर से अच्छा आदमी बनने की कोशिश करोगे। पर कहाँ। तुम जो जिंदगी जी रहे हो, तुमने कभी सोचा है कि तुम खुद के साथ और अपने बूढ़े पेरेंट्स के साथ कितना गलत कर रहे हो। हमारी बात तो खैर जाने दो। बहुत जी लिए हैं। रही सही भी किसी तरह कट ही जाएगी। पर कभी अपनी भी तो सोचो। इस तरह से कब तक चलेगा।

याद करो बेटा, तुमने कितना शानदार कैरियर शुरू किया था। किसी भी फील्ड में तुम पीछे नहीं रहे थे। पढ़ाई में तो हमेशा फर्स्ट आते ही थे, सभी स्पोर्ट्स में खूब हिस्सा लेते थे तुम। स्कूल और कॉलेज की फुटबॉल की टीम के

हमेशा कैप्टन रहे। फिर गोवा की तरफ से खेलते रहे। तुम्हारी पर्फार्मेंस बेहतर होती गई थी। तब हम सब कितने खुश हुए थे जब कुआलांपुर जाने वाली नेशनल टीम में तुम चुने गए थे। उस रात हम देर तक नाचते गाते रहे थे।

तुम्हारी टीम जीत कर आई थी। जीत का गोल तुमने दागा था। तुम्हारी वापसी पर एक बार फिर हमने सेलिब्रेट किया था। हमने मदर मैरी को थैंक्स कहा था कि तुम्हारा लाइफ कितने शानदार तरीके से शुरू होने जा रहा था। तभी तुम्हें स्पोर्ट्स कोटा में ये नौकरी मिल गई थी और तुम बंबई आ गए थे। बस, बेटे तभी से तुम शराब के हो कर रह गए हो। तुमने एक बार भी पीछे मुड़ कर नहीं देखा है। पहले तुम बंबई में आपनी शामों का अकेलापन काटने के लिए पीते रहे। हमने बुरा नहीं माना। हमारी पूरी कम्युनिटी पीती है। सेलिब्रेट करती है। और फिर हम तुम्हें साथ बिठा कर पिलाते रहे हैं, लेकिन एक लिमिट तक। पर शायद हमारी ही गलती रही। तुम तो रोज ही पीने लग गए थे। दिन में नौकरी या थोड़ी बहुत फुटबॉल और शाम को तुम अकेले ही पीने बैठ जाते थे। जब हमें पता चला था तो हमने यही समझा था कि नया नया शौक है, तुम खुद सँभल जाओगे, लेकिन नहीं। तुम नहीं सँभले तो नहीं ही सँभले। हमने तुम्हारी मैरिज करानी चाही तो तुम हमेशा ये कह कर ही टालते रहे कि खुद तो होटल की डोरमैटरी में पड़ा हूँ, फैमिली कहाँ रखूँगा।

बस, तब से सब कुछ हाथ से छूटता चला गया है। कितने बरस हो गए तुमसे ढंग से बात किए हुए। गोवा तुम कभी आते नहीं। तुम्हारी ममा तुम्हारे लिए कितना तो रोती है। अब तो बेचारी ढंग से चल फिर भी नहीं सकती। बेटे का सुख न उसने देखा है न मैंने।

तुम यकीन नहीं करोगे अल्बर्ट, उस समय मैं कितना टूट गया था जब तुम्हारे ऑफिस के लोगों ने हमें बताया कि तुम्हारी गैर हाजिरी के कारण तुम्हारी पगार हर साल बढ़ने के बजाए कम कर दी जाती है। कोई ऐसा एडवांस या लोन नहीं जो तुमने न ले रखा हो। ऑफिस का कोई ऐसा बंदा नहीं जिसके तुमने सौ पचास रुपये न देने हों। और कि तुम कहीं भी पार्क में, रेलवे प्लेटफार्म पर या ऑफिस की सीढ़ियों में ही सो जाते हो। सामान के नाम पर तुम्हारे पास टूथ ब्रश और दो फटे पुराने कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं। एक जोड़ा जो तुमने पहना होता है और दूसरा, तुम्हें ये फ्लैट मिलने तक तुम्हारी ड्रावर में रखा रहता था।

तुम्हारे सैक्शन ऑफिसर बता रहे थे कि तुम ढंग से जी सको, और अपनी पूरी पगार एक ही दिन में पीने में न उड़ा दो, इसके लिए उन्होंने तुम्हारी पगार एक साथ न देकर तुम्हें कुछ रुपये रोज देना शुरू किया था लेकिन कितने दिन। तुम तब से ऑफिस ही नहीं गए हो।

माय सन, शायद हमें ये दिन भी देखने थे। इस बुढ़ापे में तुम्हारी मदद मिलना तो दूर, हर बार कोई ऐसी खबर जरूर मिल जाती है कि हम शर्म के मारे सिर न उठा सकें। तुम्हारा पड़ोसी बता रहा था कि जब ऑफिस से सीनियरटी के हिसाब से तुम्हें ये फ्लैट मिला तो तुम्हारे पास फ्लैट की सफाई के लिए झाड़ू खरीदने तक के पैसे नहीं थे। सामान के नाम पर तुम्हारी मेज की ड्रावर में जो सामान रखा था, वही तुम एक थैली में भर कर ले आए थे। तुम्हारी लत ने तुम्हें यहाँ तक मजबूर किया कि तुम फ्लैट के पंखे तक बेचने के लिए किसी इलैक्ट्रिशियन को बुला लाए थे।

बेटे, तुम छोड़ क्यों नहीं देते ये सब... नौकरी भी। गोवा में हमारे साथ ही रहो। जैसे तैसे हम चला रहे हैं, तुम्हारे लिए भी निकाल ही लेंगे। हर बार तुम वादा करते हो, कसम खाते हो, दस बीस दिन ढंग से रहते भी हो, फिर तुम

वही होते हो और तुम्हारी शराब होती है।

तुम्हारे ऑफिस वालों ने तुम्हारी मेडिकल रिपोर्ट दिखाई थी मुझे। गॉड विल हैल्प यू माय सन। तुम जरूर अच्छे हो जाओगे। छोड़ दो बेटे ये सब। तुम्हारी ममा तुम्हारी सेवा करके तुम्हें अच्छा कर देगी।

पिछले एक बरस में मैं चौथी बार बंबई आया हूँ। पिछली बार की तरह इस बार भी तुम मुझे नहीं मिले हो। तुम्हारी ममा ने इस बार यही कह कर मुझे भेजा था कि तुम्हें साथ ले ही आऊँ। पर तुम्हें ढूँढूँ कहाँ। पिछले चार दिन से तुम्हारे घर और ऑफिस के चक्कर काट काट कर थक गया हूँ। तुम्हारी तलाश में कहाँ कहाँ नहीं भटका हूँ। तुम कहीं भी तो नहीं मिले हो।

अल्बर्ट, मैं थक गया हूँ। तुम्हें समझा कर भी और तुम्हें तलाश करके भी। फिर कब आ पाऊँगा कह नहीं सकता। इन चार दिनों में भी होटल में, खाने पीने में और आने में कितना तो खर्चा हो गया है। चाह कर भी एक दिन भी और नहीं रुक सकता। वापसी के लायक ही पैसे बचे हैं।

ये खत मैं तुम्हारे दरवाजे के नीचे सरका कर जा रहा हूँ। कभी लौटो अपने घर और होश में होवो तो ये खत पढ़ लेना। मैं तो तुम्हें अब क्या समझाऊँ। तुम्हें अब यीशू मसीह ही समझाएँगे और...।

गॉड ब्लेस यू माय सन...।

शीर्ष पर जाएँ